

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 14 दिसम्बर, 2010

विषय :- वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत पक्ष में अवचनबद्ध मदों में अवशेष धनराशि के आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-616/VI-I/2010-71(3)/2010 दिनांक-25 जून, 2010 के अनुक्रम में तथा आपके पत्र संख्या-627/स0नि0उ0/दो-3/2010-11 दिनांक-22-7-2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में संस्कृति विभाग के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में रू0 8.65 लाख (रू0 आठ लाख पैसठ हजार) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-205/XXVII(1)/2009 दिनांक-25 मार्च 2009 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका/उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
3. उक्त धनराशि उन्हीं मदों में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
4. फर्नीचर/उपकरण/मशीन आदि का क्रय पूर्व अनुपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए यथा आवश्यकता ही, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार किय जायेगा, एवं परिसम्पत्ति रजिस्टर अनिवार्य रूप से तैयार कर उसमें प्राविष्टियां अंकित की जाय।
5. व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।





6. धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की समय सारिणी बनाकर ही आहरण करा दी जायेगी।
7. धनराशि का किसी भी दशा में व्ययवर्तन नहीं किया जायेगा। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।
8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-1 लेखाशीर्षक-2205 कला एवं संस्कृति-00-104 अभिलेखागार-03-राज्य अभिलेख-00 के अन्तर्गत संलग्नक-1 के विवरणानुसार डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या- 738 (पी)/XXVII (3)/2010 दिनांक- 07 दिसम्बर 2010 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किया जा रहा है।

भवदीय

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव

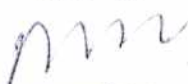
पृष्ठांकन संख्या-1056 /VI-I/2010-71(3)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
5. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
6. गार्ड फाईल।



आज्ञा से,


(श्याम सिंह)
अनुसचिव

संलग्नक-‘क’
शासनादेश संख्या-
अनुदान संख्या-11
लेखाशीर्षक

VI-11 71(3)2010 दिनांक- दिसम्बर, 2010 क
संलग्नक

मानक मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष बजट का आवंटन
04- यात्रा व्यय	30
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	20
07-मानदेय	5
08-कार्यालय व्यय	150
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	50
16- व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए	300
18- प्रकाशन	25
42-अन्य व्यय	200
44-प्रशिक्षण व्यय	10
45-अवकाश यात्रा व्यय	25
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम की स्टेशनरी का कय	50
योग	865

भवदीय

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव